बोडोलैंड ववािद

प्रीलम्सि के लयि:

नेशनल डेमोक्रेटकि फ्रंट ऑफ बोडोलैंड

मेन्स के लयि:

बोडो आदवासियों से संबंधति वभिन्नि मुद्दे

चर्चा में क्यों?

24 नवंबर, 2019 को केंद्र सरकार ने उग्रवादी समूह‘**नेशनल डेमोक्रेटकि फ्रंट ऑफ बोडोलैंड**’ **(National Democratic Front of Bodoland-NDFB)** पर प्रतबिंध को और पाँच साल के लयि बढ़ा दयिा है।

प्रमुख बदि:

- असम आधारति उग्रवादी समूह NDFB पर हत्या और जबरन वसूली सहति कई हसिक गतविधियिों में शामलि होने तथा भारत वरिोधी ताकतों से हाथ मलिाने का आरोप है।
- गृह मंत्रालय की अधसिूचना के अनुसार, गैर-कानूनी गतविधियिों (रोकथाम) अधनियिम, 1967 की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तयिों के अनुसार केंद्र सरकार NDFB को उसके सभी समूहों, गुटों और अग्रमि संगठनों के साथ गैरकानूनी संगठन घोषति करती है।
- केंद्र सरकार ने पछिले कुछ वर्षों में इस संगठन द्वारा की गई घटनाओं की संख्या का भी उल्लेख कयिा है। आँकड़ों के अनुसार, जनवरी 2015 के बाद से अभी तक लगभग 62 हसिक घटनाएँ घटति हुई हैं, जसिमें 19 लोगों की हत्या की गई। इस दौरान लगभग 55 चरमपंथी मारे गए हैं, 450 चरमपंथयिों को गरिफ्तार कयिा गया है और उनसे 444 हथयिार बरामद कयिे गए।
- गृह मंत्रालय के मुताबकि, NDFB ने नरसंहार और जातीय हसिा पैदा की जसिके परणिामस्वरूप हत्याएँ हुईं, गैर-बोडो की संपत्तकिो नष्ट कयिा गया, असम में बोडो बहुल क्षेत्रों में नवािस करने वाले गैर-बोडो के बीच असुरक्षा का माहौल पैदा कयिा गया, देश की सीमा पर शवििर एवं ठकिाने स्थापति कयिा गया ताकअिलगाववादी गतविधियिों को हवा दी जा सके।

बोडो समुदाय

- बोडो ब्रह्मपुत्र घाटी के उत्तरी हसि्से में बसी असम की सबसे बड़ी जनजातहिै। यह राज्य की कुल आबादी के 5-6 प्रतशित से अधकि हैं। बोडो (असमयिा) समुदाय के लोग पूर्वोत्तर भारत के असम राज्य के मूल नवािसी हैं तथा भारतीय संवधिान की छठी अनुसूची के अंतरगत भारत की एक महत्त्वपूर्ण जनजातहिै।
- असम के चार ज़लिे कोकराझार (Kokrajhar), बक्सा (Baksa), उदलगुरी (Udalguri) और चरिांग (Chirang) **बोडो प्रादेशकि क्षेत्र ज़लिा** (Bodo Territorial Area District- BTAD) का गठन करते हैं।

क्या है बोडोलैंड का मुद्दा?

- 1960 के दशक से ही बोडो अपने लयिे अलग राज्य की मांग करते आए हैं।
- असम में इनकी ज़मीन पर अन्य समुदायों का आकर बसना और ज़मीन पर बढ़ता दबाव ही बोडो असंतोष की वज़ह है।
- अलग राज्य के लयिे बोडो आंदोलन 1980 के दशक के बाद हसिक हो गया और तीन धड़ों में बंट गया। पहले का नेतृत्व नेशनल डेमोक्रेटकि फ्रंट ऑफ बोडोलैंड ने कयिा, जो अपने लयिे अलग राज्य चाहता था। दूसरा समूह बोडोलैंड टाइगरस्स फोर्स है, जसिने अधकि स्वायत्तता की मांग की। तीसरा धड़ा ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनयिन है, जसिने मध्यम मार्ग की तलाश करते हुए राजनीतकि समाधान की मांग की।

- बोडो अपने क्षेत्र की राजनीति, अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक संसाधन पर जो वर्चस्व चाहते थे, वह उन्हें 2003 में मिला। तब बोडो समूहों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा की राजनीति में आने पर सहमति जिताई।
- इसी का नतीजा था कि बोडो समझौते पर 2003 में हस्ताक्षर किये गए और भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के तहत बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद का गठन हुआ।

नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड

National Democratic Front of Bodoland- NDFB

- अक्तूबर 1986 में बोडो सिक्योरिटी फोर्स (Bodo Security Force- BdSF) का गठन हुआ। बाद में BdSF का नाम बदलकर NDFB हो गया, जो एक ऐसा संगठन है, जिसे हमलों, हत्याओं और जबरन वसूली करने के लिये जाना जाता है।
- 1990 के दशक में भारतीय सुरक्षा बलों ने इस समूह के खिलाफ व्यापक अभियान चलाए, जिस कारण इस समूह का भूटान की सीमा पर पलायन हुआ। इस समूह को वर्ष 2000 की शुरुआत में भारतीय सेना और रॉयल भूटान सेना द्वारा किये गए कठोर आतंकवाद विरोधी अभियानों का सामना करना पड़ा।

स्रोत- द इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bodoland-dispute